

मानव संसाधन विकास विभाग, दिल्ली

पुनर्वासन-0690/2019/भोपाल/28470 -

दि. 19/05/19

मानव संसाधन

विभाग

पुनर्वासन कर्ता

यह आदेश राजस्थान के अंतर्गत भोपाल जिले के अंतर्गत गोंयाला केन्द्र पर प्रस्तुत है।

28-5-19

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 35(3) अ. सं. सी. पुनर्वासन कर्ता की ओर से निम्न निर्देश हैं।

पुनर्वासन कर्ता

CP 28-5-19

केन्द्र

- 1 यह कि उक्त प्रकरण काज मानवीय-साधन के समक्ष प्रतिपुनर्वासन कर्ता की उपस्थिति हेतु निर्दिष्ट था।
- 2 यह कि पुनर्वासन कर्ता जाँच में तैयार करना है तथा पुनर्वासन कर्ता पेशी पर उपस्थित नहीं हो सकता है। लेकिन हर पेशी पर पुनर्वासन कर्ता की ओर से अधिवक्ता उपस्थित होते रहे हैं।
- 3 यह कि पुनर्वासन कर्ता के अधिवक्ता काज मानवीय-साधन के समक्ष 1.30 बजे उपस्थित हुआ तो पता चला की प्रकरण के समक्ष कोई उपस्थित नहीं होने के कारण प्रकरण अद्यतन बैचों में निर्दिष्ट किया गया है। पुनर्वासन कर्ता के अधिवक्ता जिला-मानव संसाधन के समक्ष आने में विफल हुए हैं जो विफल जात प्रकरण नहीं किया गया है।
- 4 यह कि उक्त प्रकरण को उक्त निर्देश पर लिया जा कर प्रकरण को सुनवाई में लिया जाये।

आज्ञा: मानवीय-साधन से निर्दिष्ट है कि पुनर्वासन कर्ता का यह आवेदन पत्र स्वीकार किया जा कर प्रकरण को उक्त निर्देश में लिया जाने के आदेश प्राप्त किया जाये।

भोपाल  
दिनांक: 28-5-19

पुनर्वासन कर्ता

द्वारा  
अधिवक्ता

S.R. Sumitra

9893231706

पुनर्स्थापन - 0690/2019/भोपाल (प्र.स.)  
पन्नालाल) से. हिल्डेज इंटर

भोपाल

(4)

23-7-19

आवेदक श्री भगवान मोनी

उपीयत / प्रकृत तर्क इंटर)

23-7-19  
27-8

CF - 27-8-19

आज्ञा से

से

अज्ञा

27-8-19

आवेदक की ओर से कोई उपो नहीं।  
आवेदक व उनके आदि के समग्र-समग्र  
पर तीन बार पुनः लम्बवाई गई। परन्तु  
कोई उपो नहीं। अतः प्रकृत आवेदक  
की अनुपस्थिति के कारण अग्रम पंखी  
के स्वकारण विमा जता है।

अज्ञा  
अज्ञा

अज्ञा  
अज्ञा